-: सूफीवाद :-

1. तसव्वुफ → सूफीमत

2. सूफी →

(i) मोटी-सफेद ऊन (सूफ)

(ii) पैगम्बर हजरत मोहम्मद की दरगाह के बाहर बना चबूतरा (सूफ)

(iii) पवित्र विचार (सफा)

(iv) दार्शनिक विचार धारा (सॉफिस्ट)

→ सूफीवाद इस्लाम का रहस्यवादी सुधारवादी आंदोलन है।

– प्रारम्भ → ईरान से (ईरान ⇒ आर्यों की भूमि)

– महिला सूफी संत → "रबिया" (ईरान में)

– सूफी संत मंसूर ने स्वयं को "अनअलहक" कहा। (स्वयं को अल्लाह बताया।)

– मंसूर को फांसी दी गई।

3. पीर / मुर्शीद → सूफी गुरु

4. मुरीद → शिष्य

5. वली → उत्तराधिकारी

6. खानकाह → सूफी संत का निवास स्थान

7. औलिया → अल्लाह का मित्र

8. समां → संगीत व नृत्य

9. फनां → कुर्बान होकर अल्लाह को प्राप्त करना

HC Choudhary - MobileApps

Scanned by CamScanner

Page No.:
Date:

10. दरगाह → सूफी का दरबार

11. उर्स → विवाह या मिलन (सूफी की आत्मा का परमात्मा से मिलन)

12. बाशरा → शरीयत (इस्लामिक विधान) को मानने वाले

13. बेशरा → शरीयत को नहीं मानने वाले

→ प्रमुख सिलसिले →

1. चिश्तिया सिलसिला →

→ भारत का सबसे पुराना सिलसिला

→ चिश्त शहर अफगानिस्तान में

→ संस्थापक → ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती

(1) ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती →

- 1192 में मोहम्मद गौरी के साथ पृथ्वीराज चौहान के समय भारत आए

- इन्हें 'गरीब नवाज' कहा गया।

- इनकी अजमेर स्थित दरगाह का निर्माण इल्तुतमिश ने करवाया।

- इस दरगाह में अकबर ने 'बड़ी देग' तथा जहाँगीर ने 'छोटी देग' भेंट की

- इस दरगाह में शाहजहाँ ने "जुम्मा मस्जिद" बनवाई।

- यहाँ उर्स पहली रज्जब से छठी रज्जब तक लगता है।

(2) कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी →

(कुतुबुद्दीन → भाग्यवान)

(बख्तियार काकी → रोटी वाला)

- इनकी याद में कुतुबुद्दीन ऐबक ने कुतुबमीनार का निर्माण करवाया जिसे इल्तुतमिश ने पुरा करवाया

- काकी की दरगाह 'दिल्ली' में है।

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

(3) फरीदुद्दीन गंज-ए-शकर (बाबा फरीद) →
- पंजाबी के प्रथम कवि
- इनकी रचनाएँ गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल की गई।
- दरगाह → अजोधन (पाकिस्तान)

(4) निज़ामुद्दीन औलिया (महबूब-ए-इलाही) →
- ये योगी सिद्ध थे।
- ये प्राणायाम में निपुर्ण थे
- दिल्ली के 07 सुल्तानो के समकालीन थे।
- इन्होने ग्यासूद्दीन तुगलक के संदर्भ मे कहा - "हनूज दिल्ली दूरस्त" (दिल्ली अभी दूर है।)
- दरगाह → दिल्ली
→ यह अमीर खुसरो तथा अमीर हसन देहलवी के गुरु हैं।
- औलिया के मृत्यु का समाचार सुनकर अमीर खुसरो की भी मृत्यु हुई
- खुसरो ने सितार, तबले, कवाली का आविष्कार किया।
(सर्वप्रथम कवालियाँ खुसरो ने लिखी)
- खुसरो को "तुति-ए-हिन्द" कहा जाता है।
- हमीर हसन दहलवी ने औलिया के साथ बातचीत के आधार पर "फवायद-उल-फुवाद" ग्रंथ लिखा।

(5) हमीदुद्दीन नागौरी →
- इन्हे मोईनुद्दीन चिश्ती ने "सुल्तान-उत-तारकिन" (संयासियो का सुल्तान) कहा।

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

- ये कृषि कार्य से आजीविका चलाते थे।

- इनकी स्मृति में इल्तुतमिश ने नागौर में "अतारकिन" का दरवाजा बनवाया।

(6) नासिरुद्दीन (चिराग - ए - दिल्ली) →
- दरगाह → दिल्ली

(7) सैय्यद मोहम्मद गेसूदराज (बंदा नवाज) →
- इन्होंने गुलबर्ग (कर्नाटक) में सूफीवाद का प्रचार किया।

(8) शेख सलीम चिश्ती →
- दरगाह → फतेहपुर सीकरी

- अकबर सलीम चिश्ती का बड़ा सम्मान करते थे।

- सलीम चिश्ती के नाम पर अकबर ने अपने पुत्र का नाम 'सलीम' रखा। (यही सलीम का जन्म हुआ था।)

2. सुहरावर्दी सिलसिला →
→ इसे बहाऊद्दीन जकरिया ने भारत में लोकप्रिय बनाया।

→ सुहरावर्दी संत सक्रिय राजनीति में भाग लेते थे तथा विलासिता का जीवन जीते थे।

→ सुहरावर्दी की "फिरदौसी (जन्नत से मिली चीजे) शाखा" का बिहार में प्रचार हुआ।

3. कादिरी सिलसिला →
→ संस्थापक → शेख अब्दुल कादिर जिलानी

→ कादिरी सिलसिले के शेख मियां मीर ने अमृतसर स्वर्ण मंदिर की नींव रखी।

HS Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

→ दारा शिकोह (औरंगजेब का भाई) कादिरी सिलसिले का था।

→ दारा शिकोह ने "सिर्र-ए-" मज्म-उल-बहरीन" (दो समुद्रो का मिलन) तथा "सिर्र-ए-अकबर" (महान रहस्य) नामक रचनाएँ लिखी।

→ "सिर्र-ए-अकबर" 52 उपनिषदो का अनुवाद है।

4. नक्शबंदी सिलसिला →
→ यह सबसे कट्टर सिलसिला था।

→ संस्थापक → ख्वाजा बाकी बिल्लाह

→ इस सिलसिले में अल्लाह को प्रेमिका न मानकर मालिक माना गया है।

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner